No. of Printed Pages : **2**

ई.एस.-345

00659

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ई.एस.-345 : हिन्दी शिक्षण प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

निर्देश : *(i)* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***

नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर कम से कम **600** शब्दों में दीजिए:

1. लेखन का महत्व एवं प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखित रचना के प्रकारों एवं उनके शिक्षण का उल्लेख कीजिए।

अथवा

"भाषा की पूर्ण शक्ति का विकास निबन्धों में ही सबसे अधिक सम्भव होता है"-इस कथन को आधार मानते हुए निबन्ध की विशेषताओं तथा निबन्ध-शिक्षण प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

2. बालक की भाषा का व्याकरण सम्बन्धी विकास किस प्रकार होता है? बालक अपने भाषा विकास में किस प्रकार के वाक्यों का प्रयोग करता है? उदाहरण सहित उत्तर लिखें।

अथवा

हिन्दी शिक्षण में पाठ्य-पुस्तकों के महत्व की चर्चा करते हुए पाठ्य-पुस्तक के गुणों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कम से कम **120** शब्दों में दीजिए :

(i) जीवनी एवं आत्मकथा का अन्तर स्पष्ट करते हुए उनके लेखन शिक्षण के बारे में चर्चा करें।

(ii) प्रश्न पत्र का महत्व बताते हुए एक आदर्श प्रश्न पत्र की विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(iii) हिन्दी शिक्षक के गुणों तथा अपेक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

(iv) कहानी कथन क्या है? यह किस प्रकार हिन्दी के ज्ञान को विकसित करने में सहायक है?

(v) भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत क्या हैं?

(vi) क्रियात्मक शोध से आशय है। यह मूलभूत शोध से किस प्रकार भिन्न है?

(vii) मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर कम से कम **600** शब्दों में दीजिए :

क्रियात्मक शोध की आवश्यकता तथा इसका महत्व स्पष्ट करते हुए अपने अनुभव के आधार पर किसी भी कक्षा की एक महत्वपूर्ण समस्या को लेकर एक क्रियात्मक शोध की आख्या तैयार कीजिए।